बचाने दौड़े तीन गंभीर, रेंजर का फूटा सिर; तो तंत्र की नाकामी ने भी ले ली बाघ की जान!

घर में घुसकर महिला को बाघ ने उतारा मौत के घाट

इलाके में भारी तनाव, पुलिस बल तैनात मुख्यमंत्री ने जताया शोक, 25 लाख की आर्थिक सहायता

जिम्मेदारों की काहिली और एयरकंडीशंड दफ्तरों में बैठकर वन्यजीव संरक्षण का खोखला दावा करने वाले बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन के मुंह पर एक और खूनी तमाचा लगा है। पनपथा परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खेरवा टोला (मोहल्ला) में रविवार तड़के जो कुछ भी हुआ, उसने पूरे इलाके को दहला कर रख दिया है।

उमरिया।

एक आदमखोर हो चुके बाघ ने न सिर्फ आबादी क्षेत्र में घुसपैठ की, बल्कि घर के भीतर घुसकर गहरी नींद में सो रही एक बेकसूर महिला को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। इस खूनी खेल में महिला को बचाने दौड़े उसके पति, पिता और ससुर भी लहूलुहान होकर अस्पताल पहुंच गए। हद तो तब हो गई जब इस पूरे खूनी ड्रामे का अंत करने पहुंची रेस्क्यू टीम की कथित लापरवाही ने संभवतः बाघ की भी जान ले ली। कुल मिलाकर, वन विभाग के निकम्मेपन ने आज एक इंसान और एक राष्ट्रीय पशु... दोनों की बलि ले ली।

तड़के 3 बजे घर में घुसा काल

दिल दहला देने वाली यह घटना रविवार सुबह करीब 3 बजे की है। मृतका फूल बाई उम्र लगभग 40 वर्ष पति पहलू पाल अपने घर में सो रही थी। तभी अचानक मौत बनकर आया एक बाघ घर के भीतर दाखिल हो गया। इससे पहले कि फूल बाई कुछ समझ पाती, बाघ ने उसकी गर्दन दबोच ली। महिला की दर्दनाक चीख सुनकर बगल में सो रहे पति पहलू पाल, ससुर दशई पाल और कुछ दिन पहले ही एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने आए बुजुर्ग पिता उसे बचाने दौड़े, लेकिन आदमखोर हो चुके बाघ ने उन तीनों पर भी जानलेवा हमला कर दिया। चीख-पुकार सुनकर जब तक ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर जमा होते, तब तक बाघ महिला की जान ले चुका था। तीनों घायलों को बेहद गंभीर हालत में मानपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां वे जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं।

घंटों घर में डटा रहा बाघ

इस घटना की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि महिला को मौत के घाट उतारने के बाद भी बाघ कई घंटों तक उसी घर के भीतर डटा रहा। पूरे गांव में दहशत का माहौल बन गया। डर के मारे किसी की हिम्मत घर के पास जाने की नहीं हुई। घटना की सूचना के बाद जब वन अमला और पुलिस बल मौके पर पहुंचा, तो ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान पर था। लगातार बढ़ रही वन्यजीवों की घुसपैठ और पार्क प्रबंधन की उदासीनता से नाराज ग्रामीणों ने वन परिक्षेत्राधिकारी (रेंजर) पर हमला बोल दिया, जिससे उनके सिर पर गंभीर चोट आई है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करना पड़ा।

सीएम ने की 25 लाख की सहायता की घोषणा

इस दर्दनाक हादसे पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर दुख साझा करते हुए मृतका के परिजनों को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि देने और घायलों के निःशुल्क इलाज व उचित मुआवजे के कड़े निर्देश जारी किए हैं।

रेस्क्यू प्रणाली पर उठे सवाल

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में यह कोई पहली घटना नहीं है। सवाल यह उठता है कि वन्यजीवों के संरक्षण और इंसानी बस्तियों की सुरक्षा के नाम पर करोड़ों का बजट डकारने वाला प्रबंधन आखिर सोता क्यों रहता है, जब भी किसी बाघ या तेंदुए की मौत होती है, तो यह सुस्त प्रबंधन आपसी संघर्ष (इंफाइट) का बहाना बनाकर फाइल बंद कर देता है और बिसरा रिपोर्ट के नाम पर मामले को ठंडे बस्ते में डाल देता है। इस बार भी बाघ की मौत हो चुकी है और वन अधिकारी दबी जुबान से इसे रेस्क्यू का हिस्सा बता रहे हैं। हालांकि चर्चा है कि ट्रैंक्विलाइजेशन के दौरान दवा की मात्रा तय करने में लापरवाही बरती गई, जिसके कारण बाघ की मौत हुई। हालांकि बिना विस्तृत जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के सीधे तौर पर दोष मढ़ना तकनीकी रूप से जल्दबाजी होगी।

कब तय होगी अफसरों की जवाबदेही

आखिर हर बार गुनाहगारों को अभयदान क्यों मिलता है, मोटी तनख्वाहें लेने वाले बड़े अफसरों पर गाज क्यों नहीं गिरती, क्या आदिवासियों और ग्रामीणों की जान इतनी सस्ती है कि वे बाघों का निवाला बनते रहें और करोड़ों का बजट कागजों पर चट होता रहे। फिलहाल, पूरे खेरवा मोहल्ला में मातम, तनाव और भारी भय का माहौल है। पार्क अमले के सामने अब ग्रामीणों के उबलते गुस्से को शांत करने और अपनी साख बचाने की दोहरी चुनौती है। देखना यह है कि इस बार भी छोटी मछलियों पर गाज गिराकर बड़े अधिकारियों को बचा लिया जाता है या शासन स्तर पर कोई ठोस और सख्त कार्रवाई होती है।

गलत ट्रैंकुलाइज से होती है मौत

ट्रैंकुलाइज (बेहोश) करने के बाद टाइगर की मौत आम तौर पर दवा की गलत खुराक (ओवरडोज), बेहोशी के दौरान सांस नली में रुकावट, अत्यधिक तनाव, या पहले से मौजूद किसी गंभीर बीमारी के कारण सदमा लगने (शॉक) से होती है। ट्रैंकुलाइजेशन एक बहुत ही संवेदनशील प्रक्रिया है। बाघों के ट्रैंकुलाइजेशन के दौरान मृत्यु होने के मुख्य कारण दवा की गलत खुराक होती है, यदि बाघ के वजन का सही अनुमान लगाए बिना बेहोशी की दवा (जैसे ज़ाइलाजिन या केटामाइन) की मात्रा ज़्यादा दे दी जाती है, तो उसकी सांसें या दिल रुक सकता है। सांस नली में रुकावटः बेहोश होने के बाद कई बार जानवर उल्टी कर देता है। यदि उल्टी के कण या लार उसकी सांस की नली में चले जाएं, तो दम घुटने से मौत हो सकती है। रेस्क्यू ऑपरेशन या पिंजरे में कैद होने के दौरान बाघ अत्यधिक तनाव और गुस्से में होता है। ऐसे में ट्रैंकुलाइज करने पर शरीर का मेटाबॉलिज्म बिगड़ जाता है, जिससे दिल का दौरा पड़ सकता है या मांसपेशियों को नुकसान पहुंच सकता है। यदि बाघ को पहले से कोई गंभीर बीमारी, आंतरिक चोट (जैसे आपसी लड़ाई में लगी चोट), या संक्रमण हो, तो वह बेहोशी की दवा का असर नहीं झेल पाता। इन जोखिमों को कम करने के लिए हमेशा अनुभवी पशु चिकित्सकों की देखरेख में सटीक डोज, एंटीडोट (दवा का असर खत्म करने के इंजेक्शन) की उपलब्धता और त्वरित निगरानी की व्यवस्था रखी जाती है।

इनका कहना है

ओवरडोज का मामला नहीं लगता, अभी बाघ की मौत का कारण बता बना मुश्किल है, पोस्टमार्टम हो जाए उसके रिपोर्ट के आधार पर कुछ कहना उचित होगा।

डॉ. अनुपम सहाय
फील्ड डायरेक्टर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व

खबर संक्षेप

किन्नर समाज की पत्रकार वार्ता आज

शहडोल। ऑल इण्डिया किन्नर समाज द्वारा सनातन धर्म की रक्षा को लेकर विभिन्न धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा और जानकारी साझा करने के लिए आज 25 मई 2026 को एक विशेष पत्रकार वार्ता बुलाई गई है। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस शहर के होटल जय विलास पैलेस में सुबह 11 बजे से आयोजित होगी। किन्नर समाज की प्रतिनिधि सोनाली पटेल एवं समस्त किन्नर समाज ने जिले के सभी पत्रकार बंधुओं से इस वार्ता में सम्मिलित होने का विशेष आग्रह किया है।

डिग्री बांटने वाली मैकाले की शिक्षा पर यूनिवर्सिटी में प्रहार

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में भारतीय शिक्षण मंडल के 57वें स्थापना दिवस पर स्वभाषा और स्वबोध- भारतीय शिक्षा के आधार स्तंभ विषय को लेकर एक बेहद आक्रामक और गंभीर संगोष्ठी संपन्न हुई। कार्यक्रम में वर्तमान खोखली शिक्षा पद्धति को कटघरे में खड़ा करते हुए वक्ताओं ने शिक्षा के भारतीयकरण और मूल्य आधारित राष्ट्रीय चेतना पर विशेष जोर दिया। मुख्य वक्ता नागेंद्र वशिष्ठ (क्षेत्रीय बौद्धिक प्रमुख) ने दोटूक कहा कि मनीषियों और ऋषियों के ज्ञान को भुलाकर देश का विकास असंभव है। उन्होंने उच्च शिक्षा में बढ़ रही अनैतिकता पर कड़ा प्रहार करते हुए ग्राम केंद्रित शिक्षा और संस्कारों के समावेश को अनिवार्य बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने आधुनिक विज्ञान की सीमाओं को आइना दिखाते हुए भारतीय प्राचीन ज्ञान परंपरा, बीज मंत्रों और क्वांटम एंटैंगलमेंट की वैज्ञानिकता को सामने रखा। इससे पहले डॉ. महेंद्र किशोर भटनागर ने मंडल की गतिविधियों का परिचय दिया, जबकि ध्येय वाक्य और श्लोक का वाचन कृष्णन चतुर्वेदी और डॉ. गीता सराफ ने किया। कुलसचिव डॉ. आशीष तिवारी और डॉ. चेतना सिंह ने आभार जताया।

जनभागीदारी की अनूठी मिसाल

जल गंगा संवर्धन अभियान में उमड़ा शहडोल हेडगेवार पार्क तालाब को मिला नया जीवन

शहडोल।

जल स्रोतों के संरक्षण और भावी पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य को लेकर शहडोल ने रविवार को एकजुटता की एक नई और प्रेरणादायक इबारत लिखी है। मध्य प्रदेश शासन के महत्वाकांक्षी जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा संघ कार्यालय के समीप स्थित ऐतिहासिक हेडगेवार पार्क तालाब परिसर में एक वृहद स्वच्छता एवं जनजागरूकता महाअभियान चलाया गया। इस अभियान की सबसे खूबसूरत तस्वीर तब देखने को मिली जब प्रशासनिक अमले से लेकर आम नागरिक तक, हर कोई हाथों में झाड़ू और तगाड़ी थामे तालाब को संवारने मैदान में उतर आया। अभियान के दौरान कलेक्टर केदार सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल और मुख्य नगरपालिका अधिकारी आशा भंडारी की अगुवाई में समूचे अमले ने तालाब क्षेत्र की मुस्तैदी से साफ-सफाई की। परिसर में बिखरे प्लास्टिक अपशिष्ट और गंदगी को हटाकर पूरे वातावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाया गया। इस मौके पर कलेक्टर ने जल संरक्षण को आज की सबसे बड़ी जरूरत बताते हुए कहा कि बिना जनभागीदारी के इतने बड़े पुनीत कार्य को सफल नहीं बनाया जा सकता।

जल है तो कल है के नारों से गूंजा शहर

हाथों में तख्तियां और चेहरों पर उत्साह लिए उपस्थित जनों ने जल है तो कल है का बुलंद नारा दिया। नपा अध्यक्ष और पार्षदों ने नागरिकों से भावुक अपील करते हुए कहा कि जलाशयों को स्वच्छ रखना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। तालाबों को दीर्घकालिक रूप से सुरक्षित करने के लिए प्रशासन द्वारा आने वाले दिनों में इनके कैचमेंट एरिया को सुधारा जाएगा, जलभराव क्षमता बढ़ाने के लिए गहरीकरण के प्रयास होंगे और गंदे पानी को तालाबों में मिलने से रोकने के लिए ठोस इंतजाम किए जाएंगे। इस महाअभियान में एसडीएम अमृता गर्ग, सीईओ शिवम प्रजापति, पार्षदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और कर्मठ सफाई मित्रों ने कंधे से कंधा मिलाकर श्रमदान किया। प्रशासन की इस सकारात्मक पहल की नगरवासियों ने मुक्तकंठ से सराहना की है। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि यह अभियान केवल एक दिन का नहीं, बल्कि शहर के हर जल स्रोत को पुनर्जीवित करने तक निरंतर जारी रहेगा।

बुढ़ार सहित देशव्यापी मौन रैली और राष्ट्रीय संत सुरक्षा अभियान का आह्वान

बुढ़ार।

प्रदेश के रीवा में आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज की परम शिष्या आर्यिका माताजी के साथ घटी हृदय विदारक और झकझोर देने वाली दुर्घटना (हत्या) के बाद देश भर के जैन समाज और संत भक्तों में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस सुनियोजित हादसे के विरोध में और साधु-संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग को लेकर 25 मई को बुढार नगर सहित पूरे देश में एक विशाल मौन रैली का आयोजन किया जा रहा है।

बुढार में सुबह 9 बजे निकलेगी रैली, सौंपा जाएगा ज्ञापन

स्थानीय स्तर पर बुढार और धनपुरी के समस्त जैन समाज और नगर वासियों द्वारा आंदोलन की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। 25 मई, सोमवार को प्रातः 9:00 बजे स्थानीय नवीन शांतिनाथ जिनालय (फॉरेस्ट विभाग के पास) से एक विशाल रैली प्रारंभ होगी। यह रैली नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए तहसील कार्यालय पहुंचेगी, जहाँ समाज के प्रतिनिधि तहसीलदार महोदय को ज्ञापन सौंपेंगे। आंदोलनकारियों की मुख्य मांग है कि विहार कर रहे साधु-संतों को अविलंब सरकारी सुरक्षा प्रदान की जाए। आयोजकों ने सभी धर्मप्रेमियों से इस आंदोलन में सम्मिलित होने का निवेदन किया है।

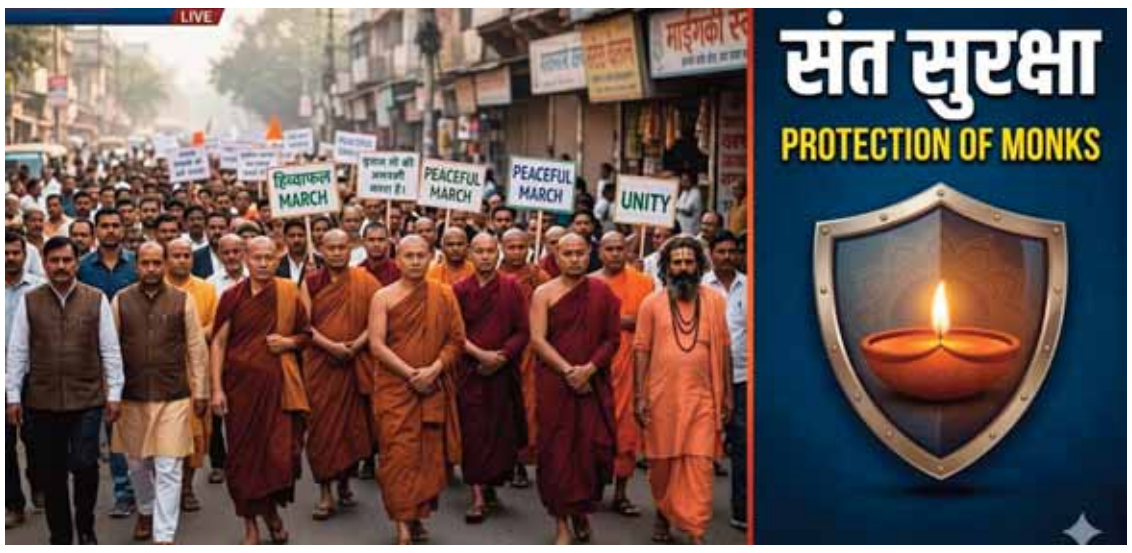

मुनि श्री प्रमाण सागर जी ने किया राष्ट्रीय संत सुरक्षा अभियान का आह्वान

दूसरी ओर, मधुवन स्थित गुणायतन में मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे एक सुनियोजित साजिश बताया। सीसीटीवी फुटेज का हवाला देते हुए मुनिश्री ने कहा कि सडक़ के किनारे पैदल चल रहे आर्यिका संघ को कार द्वारा रौंदते हुए निकल जाना कोई सामान्य दुर्घटना नहीं है।

संत सुरक्षा प्रोटोकॉल और विशेष नीति की मांग

मुनि श्री प्रमाण सागर जी ने देश के प्रत्येक गांव, नगर और महानगर में स्वप्रेरणा से शांतिपूर्ण मौन रैली निकालने और प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर संत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करने की मांग की है। उन्होंने सरकार पर जोर देते हुए कहा कि देश में पैदल विहार करने वाले साधु-संतों की सुरक्षा के लिए एक विशेष और ठोस नीति बनाई जानी चाहिए। बड़े शहरों में सुरक्षित फुटपाथ की व्यवस्था करना, अतिक्रमण हटाना और पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद अनिवार्य हो गया है, क्योंकि वर्तमान में पैदल चलने वालों का जीवन पूरी तरह असुरक्षित बना हुआ है।

ट्रकों में खूनी भिड़ंत

शहडोल। जिले की सडक़ों पर दौड़ती अंधाधुंध रफ्तार एक बार फिर दो जिंदगियों के लिए काल बनने चली थी। जयसिंहनगर और गोहपारू थाना क्षेत्र की सरहद पर स्थित चूंदी नदी के खतरनाक मोड़ पर रविवार सुबह दो भारी-भरकम ट्रकों के बीच आमने-सामने से ऐसी आत्मघाती भिड़ंत हुई कि धमाके से पूरा इलाका दहल गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ट्रकों के अगले केबिन लोहे के कबाड़ की तरह आपस में पिचक गए और दोनों चालक उसी खूनी मलबे के भीतर लहूलुहान होकर जिंदगी और मौत के बीच फंस गए। जब तक वीआईपी सुरक्षा में मगन रहने वाली पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचता, तब तक चुन्दी नदी के जांबाज ग्रामीण मसीहा बनकर मोर्चे पर डट गए। सरकारी रेस्क्यू कटर का इंतजार किए बिना युवाओं ने सब्बल, लोहे की भारी रॉड और देसी औजारों से मुड़े हुए लोहे को कतरना शुरू किया।

जीआरपी ने जनरल कोच में दबोचा शातिर अमरिंदर

भीड़ का फायदा उठाकर ट्रेनों को बनाया नशा कॉरिडोर

25 साल के युवा ढो रहे नशे की खेप मजबूत बैगों में पैक था 41 किलो काला सोना

शहडोल।

सडक़ों पर पुलिसिया पहरा सख्त होते ही अंतरराज्यीय नशा तस्करों ने अब भारतीय रेल को अपनी काली कमाई का नया हाइवे बना लिया है। रेल यात्रियों की भारी भीड़ और सुरक्षा खामियों की आड़ में एक राज्य से दूसरे राज्य तक जहर परोसने का खेल धड़ल्ले से चल रहा है। लेकिन शहडोल जीआरपी (शासकीय रेलवे पुलिस) की मुस्तैदी ने रविवार को तस्करों के इस नए और सुरक्षित ट्रेन मॉड्यूल को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। जीआरपी ने संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के जनरल कोच में सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए दो भारी विमल ब्रांड के बैगों में छिपाकर ले जाया जा रहा करीब 41 किलो गांजा बरामद किया है, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत 4 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के कड़े निर्देशों के बाद नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष एनडीपीएस अभियान के तहत जीआरपी की टीम ट्रेन नंबर 12707 संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में पैनी नजरों से बोगियों को खंगाल रही थी। इसी दौरान जनरल कोच में बैठा एक संदिग्ध युवक खाकी वर्दी को देखते ही घबराने लगा और पसीने-पसीने हो गया। उसकी इस घबराहट ने पुलिस का माथा ठनका दिया। जवानों ने जब उसकी घेराबंदी कर उसके पास रखे दो मजबूत बैगों को खोला, तो अधिकारियों के होश उड़ गए। बैग कपड़ों से नहीं, बल्कि खाकी टेप से लिपटे गांजे के भारी-भरकम पैकेटों से ठसाठस भरे थे।

पूछताछ में रंगे हाथों पकड़े गए शातिर नशा तस्कर की पहचान 25 वर्षीय अमर मिश्रा, निवासी गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पूछताछ में यह चौंकाने वाला सच सामने आया कि वह छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से गांजे की यह बड़ी खेप उठाकर यूपी के प्रयागराज में खपाने जा रहा था। जीआरपी ने आरोपी को सलाखों के पीछे भेजकर एनडीपीएस एक्ट के तहत संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि रायपुर का वह कौन सा बड़ा नशा माफिया है जो इस पूरे रैकेट को ऑपरेट कर रहा है, फिलहाल पुलिस तस्कर के मोबाइल कॉल डिटेल के जरिए इस पूरे अंतरराज्यीय सिंडिकेट की जड़ों को उखाडऩे में जुट गई है।

इनका कहना है

ट्रेनों की सघन जांच की जा रही थी, इसी कड़ी में संपर्क क्रांति ट्रेन की भी जांच की जा रही थी, तभी जरनल कोच के पीछे की सीट पर दो मजबूत झोला लेकर बैठा एक युवक हमलोगों के देखकर विचलित होने लगा संदेह होने पर जांच की गई तो, दोनों झोला में गांजा रखा था, जिसे हिरासत में लेकर कार्यवाही की गई।

आर.एम.झरिया
एसआई जीआरपी, शहडोल

बोलेरो ने मोटर साइकिल को मारी टक्कर, युवक गंभीर रूप से घायल आरोपी पक्ष इलाज का खर्च देने से मुकरा, एफआईआर की मांग

शहडोल। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खरतोरा में एक तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाई जा रही नई बोलेरो वाहन ने सडक़ किनारे खड़ी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण सडक़ हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसका इलाज फिलहाल शहडोल के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। पीड़ित परिवार ने अब पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराकर निष्पक्ष कार्रवाई और एफआईआर दर्ज करने की गुहार लगाई है।

दशगात्र कार्यक्रम में गया था पीड़ित परिवार

छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एम.सी.बी.) जिले के केल्हारी थाना अंतर्गत ग्राम चरवाही के निवासी सुभलाल सिंह गोंड़ पिता स्व. सुंदर सिंह गोंड़ बीते 18 मई को अपने रिश्तेदारों के यहां ग्राम खरतोरा थाना दरसिला में एक दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। रात लगभग 09 से 10 बजे के बीच, सुभलाल अपने साढू भाई दुर्गा सिंह के साथ मोटरसाइकिल से नित्यक्रिया के लिए गांव से बाहर गए थे। वे सडक़ किनारे अपनी मोटरसाइकिल के सहारे खड़े थे, तभी यह हादसा हुआ।

पैर टूटा और सीने में जमा खून

पीड़ित पक्ष द्वारा जैतपुर थाना प्रभारी को सौंपी गई शिकायत के अनुसार, ग्राम खरतोरा निवासी मृगेंद्र सिंह की नई खरीदी हुई सफेद रंग की एक्सयूवी बोलेरो गाड़ी को उनका बड़ा बेटा अभिलाष बेहद तेज रफ्तार और लापरवाही से चला रहा था। आरोप है कि चालक अभिलाष शराब के नशे में धुत था। उसने नियंत्रण खोते हुए सडक़ किनारे खड़ी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सुभलाल सिंह का बायां पैर बुरी तरह टूट गया और दाहिने पैर में भी गंभीर चोटें आईं।

खबर संक्षेप

28 मई से मनाया जाएगा स्वच्छ माहवारी दिवस

उमरिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस. चंदेल की अध्यक्षता में जिला चिकित्सालय के सभा कक्ष में कन्वर्जेंस बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रतिवर्ष की भांति 28 मई को स्वच्छ माहवारी दिवस मनाने तथा किशोरियों एवं महिलाओं में माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के प्रति जागरूकता ब?ाने हेतु विभिन्न गतिविधियों के आयोजन पर चर्चा की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस. चंदेल ने बताया कि राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित अभियान का उद्देश्य किशोरियों एवं महिलाओं में माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के संबंध में जनजागरूकता बढ़ाना तथा आवश्यकता पडऩे पर परामर्श सुविधा उपलब्ध कराना है।

उन्होंने बताया कि 28 मई से 30 मई तक जिले के विभिन्न ग्रामों में आंगनबाड़ी केंद्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, परामर्शदाता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं गैर सरकारी संस्था दर्शन महिला कल्याण समिति के प्रशिक्षकों का सहयोग लिया जाएगा। बैठक में जिला किशोर स्वास्थ्य समन्वयक द्वारा पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। चुप्पी तोड़ो, खुलकर बोलो विषय पर चर्चा करते हुए बताया गया कि समाज में आज भी माहवारी प्रबंधन पर खुलकर बात नहीं की जाती, जिसका किशोरियों के शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षणिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है तथा उनका आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है। शिक्षा विभाग से उपस्थित सहायक परियोजना समन्वयक विनीत कुमार केवट ने बताया कि स्कूल सत्र प्रारंभ होने पर प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को आयोजित जीवन कौशल आधारित गतिविधियों के साथ इस अभियान को भी जोड़ा जाएगा। नोडल अधिकारी डॉ. संदीप सिंह ने उपस्थित प्रतिभागियों को समाज में जागरूकता लाने हेतु विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने 31 मई 2026 को आयोजित होने वाले विश्व तंबाकू निषेध दिवस के संबंध में जानकारी देते हुए समुदाय में तंबाकू पदार्थों के दुरुपयोग के प्रति जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन दशन पन्द्राम, जिला परियोजना सहायक महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती सरोज तिवारी, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक भानु विश्वकर्मा एवं श्रीमती रेखा वाधवानी, ब्लॉक कम्युनिटी मोबिलाइजर राजेंद्र वर्मा, दर्शन महिला कल्याण समिति के परियोजना समन्वयक आदित्य सिंह सहित समस्त परामर्शदाता एवं प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

कमलेश साहू नहीं रहे

बालोढ श्री कमलेश साहू ग्राम पंचायत बालोढ के निवासी आकस्मिक हृदयगति रुकने के कारण देवलोक गमन हो गए हो गए। 23 मई चार भाइयों के बीच में सबसे छोटे वाले थे जो सबसे बड़े वाले देवी दिन साहू मझिले वाले संतोष साहू संजलि वाले दद्दी साहू सभी परिवार के लोगों ने और गांव के प्रतिष्ठित लोगों ने शोक जाहिर की एवं अजय साहू के सगे चाचा रहे उनके भतीजे पुरुषोत्तम साहू अशोक साहू और उनके चार बेटे हैं जो आज पूरा घर भरा पड़ा छोड़कर इस दुनिया से चले गए हैं आज उनकी कमियां परिवार को एवं हम सबको उनकी कमी महसूस हो रही है।

नगर पालिका में नियमों का हंटर चलते ही बौखलाए रसूखदार
बैक डोर से रायता फैलाने वाले नेताओं का कमीशन गेम बेनकाब

विकास के नाम पर मचे बखेड़े के पीछे सिर्फ मीडिया मैनेजमेंट

अपनी राजनीतिक जमीन बचाने की छटपटाहट!

दिखावे के लिए अध्यक्ष का भाजपाई और उपाध्यक्ष का कांग्रेसी राग

सोन नदी बैराज पर घमासानः ठेकेदारों की भाषा बोल रहे हैं जनता के नुमाइंदे

शहडोल।

संभागीय मुख्यालय की नगर पालिका परिषद इस समय विकास की राह पर नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी के अंतर्विरोधों के दलदल में धंस चुकी है। शहर में विकास कार्यों की कछुआ चाल और पेयजल संकट को लेकर पिछले कुछ दिनों से जो बखेड़ा खड़ा किया जा रहा है, वह महज एक सुनियोजित भ्रम और घटिया मीडिया मैनेजमेंट का हिस्सा है। हकीकत यह है कि जब से नगर पालिका में नई मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) ने कमान संभाली है और भ्रष्टाचार की पुरानी, सड़ी-गली परिपाटी पर नियमों का कड़ा हंटर चलाया है, तब से शहडोल के कुछ रसूखदार नेताओं की सियासी जमीन पैरों तले खिसक गई है। पुराना जुगाड़ और मलाई खाने का रास्ता बंद होने के बाद अब अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पर्दे के पीछे से बैक डोर गेम खेलने में जुटे हैं। जब वहां भी दाल नहीं गली, तो अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए ये नेता अचानक फ्रंट फुट पर आकर जनता को गुमराह करने की गंदी सियासत पर उतर आए हैं।

दिन में नफरत, रात में अटूट सांठ-गांठ

शहडोल की प्रबुद्ध जनता इन दिनों नेताओं के एक बड़े पाखंड की गवाह बन रही है। खुद को जनता का मसीहा बताने वाले ये धुरंधर दिखावे के लिए मंचों पर तो अध्यक्ष कांग्रेस का और उपाध्यक्ष भाजपा का होने का ढोंग रचते हैं, लेकिन परदे के पीछे का सच यह है कि ये दोनों किस तरह चुनाव साथ में जीते थे और आज तक हर अंदरूनी मलाईदार काम में दोनों की कैसी अटूट सांठ-गांठ है, यह बात अब चौराहे पर आ चुकी है। विवाद की शुरुआत तब हुई जब ईमानदार प्रशासनिक रुख अपनाते हुए नई सीएमओ ने नियमों के विरुद्ध जाकर चहेते ठेकेदारों को अनुचित लाभ देने और सरकारी खजाने पर डाका डालने से साफ इनकार कर दिया। इस कड़े रुख से मलाई कटने से तिलमिलाए ये दोनों नेता बुरी तरह बौखला गए। इसके बाद शहडोल से लेकर भोपाल के वल्लभ भवन तक की दौड़ लगाई गई, तरह-तरह की मनगढ़ंत शिकायतें करवाई गईं और प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाने के हरसंभव ओछे प्रयास हुए। परंतु, जब भोपाल स्तर से भी इन भ्रष्ट सूरमाओं की दाल नहीं गली, तो अब मीडिया को हथियार बनाकर जनता के बीच यह सफेद झूठ परोसा जा रहा है कि शहर में पानी का संकट केवल प्रशासनिक उदासीनता के कारण गहराया है।

28 करोड़ के सोन नदी बैराज का सच

सोन नदी पर बनने वाले 28 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बैराज निर्माण और अन्य बड़े प्रोजेक्ट्स को लेकर मचे घमासान के पीछे की कहानी बेहद दिलचस्प और शर्मनाक है। खबरों को जिस तरह से तोड़-मरोडक़र पेश किया जा रहा है, उसे देखकर ऐसा लगता है कि ये नेता जनता के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि खुद ही उस काम के ठेकेदार हों। वैसे भी शहडोल में बीती पंचवर्षीय योजना के दौरान शंभू और कई अन्य ठेकेदारों व नेताओं की जुगलबंदी और उनकी आपसी पार्टनरशिप पूरे शहर में पहले से ही जगजाहिर रही है। टकराव की असली वजह यही है कि प्रशासनिक तंत्र पूरी पारदर्शिता और नियमानुसार टेंडर प्रक्रिया पूरी करना चाहता है, जबकि नेताओं की जिद है कि पुरानी व्यवस्था की तरह नियमों को ताक पर रखकर उनके चहेते और पाले हुए ठेकेदारों को उपकृत किया जाए। जब सीएमओ ने बिना परिषद की उचित और वैध सहमति के, मनमाने ढंग से निकाले गए टेंडरों पर रोक लगाई, तो अपनी पोल खुलती देख इन तिलमिलाए नेताओं ने इसे कमीशन का खेल बताकर खुद का पल्ला झाडऩा और दूसरों पर कीचड़ उछालना शुरू कर दिया।

मूल भाजपाइयों की रहस्यमयी चुप्पी

इस पूरे शर्मनाक घटनाक्रम ने उन मूल भाजपाई नेताओं को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है, जिन्हें पार्टी ने निष्ठा और ईमानदारी के आधार पर टिकट देकर चुनाव लड़ाया था। शहर के जागरूक नागरिकों का साफ मानना है कि विपक्ष और स्वार्थी तत्वों के इस झूठे प्रोपेगैंडा पर मूल भाजपाइयों की यह रहस्यमयी चुप्पी बेहद खटकने वाली है। यह मौन कह रहा है कि शायद वे भी बहुत कम में ही संतुष्ट हो गए हैं और शहर के वास्तविक विकास की बलि चढ़ते देखकर मूकदर्शक बने हुए हैं।

कब तक चलेगा रसूखदारों का डाका

प्रशासन का रुख इस पूरे मामले में अत्यंत स्पष्ट, निष्पक्ष और न्यायसंगत है कि जो भी निर्माण कार्य जनहित में स्वीकृत हुए हैं, वे सभी हर हाल में पूरे कराए जाएंगे, लेकिन कोई भी काम भ्रष्टाचार की भेंट चढक़र नियमों के विरुद्ध जाकर नहीं होगा। पेयजल व्यवस्था को युद्धस्तर पर सुधारने के लिए नई पाइपलाइन बिछाने का काम सुचारू रूप से चल रहा है। ऐसे में यह पूरी तरह साफ हो चुका है कि पेयजल संकट का कृत्रिम बहाना बनाकर केवल एक ईमानदार प्रशासनिक छवि को धूमिल करने का घटिया प्रयास किया जा रहा है, जिसे शहडोल की जनता भली-भांति समझ चुकी है। बड़ा सवाल यह है कि जनता के टैक्स की गाढ़ी कमाई से अपनी तिजोरियां भरने वाले इन सफ़ेदपोशों पर लगाम कब कसी जाएगी? क्या शहडोल का विकास इसी तरह ठेकेदारों और नेताओं की जुगलबंदी की भेंट चढ़ता रहेगा या फिर नियमों का हंटर इन भ्रष्टाचारियों की लंका को पूरी तरह नेस्तनाबूद करेगा।

अवैध खनिज परिवहन करते ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन,परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम हेतु लगातार कार्यवाही जारी है। इसी क्रम में खनिज अधिकारी डॉ.विद्याकांत तिवारी,सहायक खनि अधिकारी दिवाकर चतुर्वेदी, खनि निरीक्षक प्रभात कुमार पट्टा एवं प्रभारी खनि निरीक्षक एन.एस. आर्मो की टीम द्वारा सतत निरीक्षण एवं भ्रमण किया जा रहा है। ग्राम अमहा स्थित अमहा रेलवे फाटक के पास उमरिया-शहडोल मार्ग एनएच-43 पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोककर जांच की गई। वाहन ट्रैक्टर पावरट्रेक 434 (नंबर निल) में लगभग 3 घनमीटर रेत का परिवहन किया जा रहा था। जांच के दौरान चालक द्वारा शासकीय अनुमति, रॉयल्टी रसीद एवं ई-टीपी प्रस्तुत नहीं किए जाने पर अवैध परिवहन पाया गया।

कार्यवाही के दौरान वाहन चालक सेमरिया के पास वाहन छो?कर रेलवे लाइन किनारे भाग निकला, जिससे चालक एवं वाहन मालिक की जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी। इसके बाद अन्य चालक की व्यवस्था कर ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित खनिज रेत को जप्त करते हुए थाना कोतवाली उमरिया में अभिरक्षा हेतु खड़ा कराया गया। प्रकरण मध्यप्रदेश खनिज अवैध (खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के अंतर्गत पंजीबद्ध किया गया है। खनिज विभाग द्वारा बताया गया कि कलेक्टर एवं खनि अधिकारी के निर्देशन में जिले में अवैध खनिज गतिविधियों के विरुद्ध सघन जांच एवं कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

अवैध शराब ढो रही बाइक ने मासूम प्रियांजी को रौंदा, अस्पताल में तोड़ा दम!
गुस्साए परिजनों ने अस्पताल परिसर में ही आरोपी को कूटा

ग्राम पंचायत पड़वार के रणविजयनगर में पसरा मातम

मानपुर।

अवैध शराब की तस्करी और सडक़ों पर बिना नंबर व बेलगाम दौड़ते वाहनों की रफ्तार ने आज फिर एक हंसती-खेलती मासूम बच्ची की जिंदगी को लील लिया। मानपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत पड़वार बाबू रणविजयनगर/चिल्हारी क्षेत्र में रविवार दोपहर करीब 1 बजे जो खौफनाक हादसा हुआ, उसने पूरे इलाके को झंझोर कर रख दिया है। एक बेकाबू मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 18 जीए 5907 के सवार ने घर के बाहर खेल रही 5 वर्षीय मासूम बच्ची प्रियांजी पिता दीपनारायण कोल को इतनी बेरहमी से रौंदा कि अस्पताल पहुंचते-पहुंचते उसने दम तोड़ दिया।इस रोंगटे खड़े कर देने वाले हादसे के पीछे का सच बेहद घिनौना है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कुदरी गांव की ओर से आ रहा बाइक सवार कोई आम राहगीर नहीं था, बल्कि वह अपनी गाड़ी की डिक्की और बोरी में अवैध कच्ची देसी महुआ शराब लादकर उसे खपाने के लिए तीव्र गति से पड़वार की ओर भाग रहा था। इसी दौरान मासूम प्रियांजी अपने भाई के साथ घर के बाहर खेलती हुई पास की दुकान से कुछ सामान लेने जा रही थी, तभी इस मौत के सौदागर ने अपनी तेज रफ्तार गाड़ी से मासूम को सीधे टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बच्ची लहुलुहान होकर दूर जा गिरी। परिजन आनन-फानन में उसे प्राथमिक उपचार के बाद कटनी और फिर जिला अस्पताल लेकर भागे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत की खबर सुनते ही परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने अस्पताल परिसर में ही आरोपी बाइक सवार को दबोच लिया और जमकर उसकी धुनाई कर दी। मौके पर उपस्थित लोगों ने जैसे-तैसे बीच-बचाव किया। घटना की सूचना मिलते ही अमरपुर चौकी पुलिस से गौरव तिवारी ने तत्काल मोर्चा संभाला, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और शराब से लदी उक्त मोटरसाइकिल को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बहरहाल, इस दर्दनाक हादसे से पूरे गांव में मातम और भारी आक्रोश व्याप्त है।

केन्द्रीय विद्युत सचिव ने किया संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंहपुर का निरीक्षण
उत्पादन प्रदर्शन,कोयला गुणवत्ता प्रबंधन की सराहना की

विद्युत उत्पादन में मध्यप्रदेश की कार्यकुशलता को बताया अनुकरणीय

उमरिया ।

भारत सरकार के विद्युत सचिव पंकज अग्रवाल ने संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंहपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्युत गृह की विद्युत उत्पादन क्षमता, संचालन दक्षता व कोयला लोडिंग,सैंपलिंग एवं परीक्षण प्रक्रियाओं का अवलोकन किया। उन्होंने उत्पादन उपलब्धियों एवं परिचालन प्रणाली की सराहना करते हुए इसे विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यप्रणाली का उदाहरण बताया। पंकज अग्रवाल ने मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी की समीक्षा बैठक कर संयंत्र में कोयले की गुणवत्ता, आपूर्ति प्रक्रिया तथा परीक्षण तंत्र को विस्तार से समझा एवं अभियंताओं से इस संबंध में व्यावहारिक अनुभव और चुनौतियों की जानकारी प्राप्त की। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री सिंह ने विद्युत सचिव को कोयले की लोडिंग, अनलोडिंग, सैंपलिंग एवं परीक्षण की संपूर्ण प्रक्रिया का विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। कोयले की गुणवत्ता एवं ग्रेड विभेद से संबंधित चुनौतियों को गंभीरता से सुनकर उन्होंने इस दिशा में सकारात्मक एवं व्यावहारिक समाधान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कंपनी द्वारा अपनाई गई फ्लाई ऐश प्रबंधन एवं निस्तारण व्यवस्था की विशेष सराहना की तथा विशेष रूप से श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह में विकसित प्रणाली को इस क्षेत्र में एक अनुकरणीय मॉडल बताया। श्री अग्रवाल ने कंपनी के विद्युत उत्पादन प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी की उत्पादन इकाइयां उच्च दक्षता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं, जो सराहनीय है। उत्पादन क्षमता के साथ गुणवत्ता आधारित संचालन और संसाधनों के बेहतर उपयोग की दिशा में कंपनी के प्रयास उल्लेखनीय हैं। केन्द्रीय विद्युत सचिव श्री अग्रवाल व पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक सहित उपस्थित वरिष्ठ अभियंताओं द्वारा विद्युत गृह परिसर में वृक्षारोपण किया गया। श्री अग्रवाल ने संजय गांधी ताप विद्युत गृह परिसर में विकसित हरित वातावरण, स्वच्छता एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन की सराहना करते हुए इसे सतत एवं उत्तरदायी औद्योगिक संचालन का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

श्रमिक नगर सहित कई इलाकों में शराब बिक्री व्यवस्था पर उठे सवाल
प्रिंट रेट से अधिक बिक्री और कथित पैकारी की शिकायतों पर जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज›बदरा/जमुना।

क्षेत्र में शराब बिक्री व्यवस्था को लेकर स्थानीय नागरिकों के बीच असंतोष और चिंता बढ़ती दिखाई दे रही है लोगों ने आरोप लगाया है कि कुछ स्थानों पर निर्धारित प्रिंट रेट से अधिक कीमत पर शराब बेचे जाने के साथ-साथ आसपास के मोहल्लों और ग्रामीण क्षेत्रों तक कथित रूप से पैकारी (अनधिकृत पुनर्विक्रय) के माध्यम से शराब पहुंचाए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और मामले की आधिकारिक जांच होना शेष है। स्थानीय लोगों के अनुसार कोतमा, कोतमा हाईवे क्षेत्र, झिरियाटोला, राजनगर मार्केट, निगवानी, चाका, खमरौध, बेलिया फाटक, गोविंदा, श्रमिक नगर, सेमरिया चौराहा सहित कई क्षेत्रों में शराब की उपलब्धता को लेकर लोगों ने चिंता व्यक्त की है नागरिकों का कहना है कि यदि नियमों के विपरीत बिक्री और पुनर्विक्रय की गतिविधियां हो रही हैं तो इसका असर सामाजिक माहौल और जनजीवन पर पड़ सकता है। क्षेत्र की महिलाओं और परिवारों ने भी इस विषय को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि सार्वजनिक स्थलों और आवासीय क्षेत्रों के आसपास अनुशासित वातावरण बना रहना चाहिए। कुछ स्थानीय लोगों ने कहा कि सुबह के समय गांवों और मोहल्लों में शराब की उपलब्धता को लेकर लोगों में चर्चा और चिंता बढ़ रही है। स्थानीय स्तर पर यह मांग भी उठ रही है कि शराब दुकानों पर निर्धारित दरों का पालन सुनिश्चित कराया जाए और यदि किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो उसके खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई की जाए। लोगों का कहना है कि नियमों का पालन और सामाजिक संतुलन दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। ठेका संचालन को लेकर स्थानीय स्तर पर जानकारी दी गई कि संबंधित शराब दुकान का संचालन ठेकेदार के नाम से किया जा रहा है। हालांकि समाचार प्रकाशित होने तक शिकायतों पर संबंधित पक्ष की आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी थी। नागरिकों ने जिला प्रशासन, पुलिस और आबकारी विभाग से क्षेत्र में विशेष जांच अभियान चलाने, शराब दुकानों पर मूल्य जांच करने तथा कथित पुनर्विक्रय संबंधी शिकायतों की वस्तुनिष्ठ जांच कराने की मांग की है।

इनका कहना है

क्षेत्र में कुछ लोगों के माध्यम से गांवों में सुबह के समय शराब पहुंचाए जाने की शिकायतें स्थानीय स्तर पर सामने आ रही हैं। मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाए और नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मित्तल महरा स्थानीय शिकायतकर्ता

यदि कोतमा शराब दुकान से प्रिंट रेट से अधिक कीमत पर शराब बेची जा रही है तो उस पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। निर्धारित मूल्य से अधिक बिक्री नहीं होने दी जाएगी। यदि पैकारी की शिकायतें प्राप्त होती हैं तो उनकी जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कृष्णकांत उईक आबकारी अधिकारी कोतमा

आज से 9 दिनों वाले नौतपा की हो रही शुरुआत

कोतमा। आज से भीषण गर्मी और लू के 9 दिनों वाले नौतपा की शुरुआत हो रही है। यह अवधि 2 जून तक चलेगी, जिसके दौरान सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करने से उत्तर और मध्य भारत में तापमान अपने चरम पर होगा। नौतपा 25 मई से शुरू होकर 2 जून तक चलेगा जिसमें सूर्य की किरणें सीधे पृथ्वी पर पड़ेंगी और गर्मी सबसे अधिक होगी। भीषण लू को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। नौतपा के दौरान अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तक जा सकता है, जिससे दिन और रात दोनों समय गर्म हवाएं चलेंगी पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, नौतपा जितना अधिक तपेगा, आने वाले मानसून में उतनी ही अच्छी और झूमकर बारिश होगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों और मौसम एजेंसियों की सलाह है कि इस दौरान लू से बचें जमकर पानी पिएं। नौतपा के एक दिन पूर्व रविवार को कोतमा सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण मे जमकर तपन रही। आसमान से आग बरस रही थी साप्ताहिक बाजार होने के बाद दोपहर मे सडके सूनी रही बाजार मे कम दुकाने दुकानदारों के द्वारा लगाई गई थी। रविवार की सुबह 7:00 बजे से ही तापमान मे बढ़ोतरी देखी गई शाम 5:00 बजे तक 43 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा जिसके कारण पंखा कूलर एसी भी गर्म हवा फेक रहे थे। गर्मी के मौसम में हर साल नौ दिन आम जनता पर भारी गुजरते हैं। इन नौ दिन में सूर्य भगवान रोहिणी नक्षत्र में रहते हैं। सूर्य की किरणे धरती पर सीधे लंबवत पड़ती हैं। जिस कारण उनका तापमान सर्वाधिक रहता है। इन नौ दिनों को नौतपा कहा जाता है। इस वर्ष यह नौतपा की अवधि 25 मई से शुरू होकर 2 जून तक रहेगी। इस वर्ष मई में अधितकम तापमान 43 डिग्री तक पहुंच गया है, जिसके चलते मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार ये नौ दिन भारी गुजरने वाले हैं। उनका कहना है कि अगर इन नौ दिनों से पहले वर्षा नहीं हुई तो नौतपा आग उगलेगा। जिसके चलते लोगों को पूरे दिन उसम भरी गर्मी से जूझना पड़ेगा। पंडित सुशील द्विवेदी के अनुसार हिंदू मान्यता है कि, भगवान सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते ही नौतपा प्रारंभ हो जाता है। नौतपा के दौरान सूर्य की लंबवत किरणें धरती पर पड़ती हैं, सूर्य भगवान रोहिणी नक्षत्र में 15 दिनों के लिए आते हैं। जिसके शुरुआती नौ दिन सर्वाधिक गर्मी वाले होते हैं। इन्हीं शुरुआती नौ दिनों को नौतपा के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि यदि इन नौ दिनों में बारिश न हो और ठंडी हवा न चले तो बरसात अच्छी होती है। उन्होंने बताया कि सूर्य की गर्मी और रोहिणी के जल तत्व के कारण मानसून गर्भ में आ जाता है। नौतपा ही मानसून का गर्भकाल माना जाता है। जिस समय में सूर्य रोहिणी नक्षत्र में होते हैं उस समय चन्द्रमा नौ नक्षत्रों में भ्रमण करते हैं, यही कारण है कि इसे नौतपा कहा जाता है।

ब्लाक कांग्रेस के नेतृत्व में संगठनात्मक संगोष्ठी संगठन को स्व स्फूर्त बनाने पर हुआ विचार विमर्श

बिरसिंहपुर पाली

उमरिया जिले के पाली विकास खंड में ब्लाक अध्यक्ष रवि मिश्रा के नेतृत्व में संगठनात्मक संगोष्ठी का सफल आयोजन ओम पैलेस में किया गया। इस संगोष्ठी में नगर कांग्रेस का भी बराबर का योगदान रहा।

इस संगोष्ठी में उमरिया जिले के प्रभारी माननीय सम्मति सैनी जी, बांधवगढ़ प्रभारी सम्मानीय राकेश जैन काक्का जी जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय कोल जी संगठन महासचिव पुष्पराज सिंह जी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।ब्लॉक जन संवाद संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस संगठन को स्व स्फूर्त बनाने के साथ ही कांग्रेस संगठन को आगे बढाने के लिए रणनीति पर विचार विमर्श किया गया। यह संगोष्ठी शाम 6 बजे से देर रात 9 बजे तक चली जिसमें पाली ब्लाक के विभिन्न पदाधिकारियों ने अपने सुझाव रखें। अंत में सबके विचार के पश्चात जिले के प्रभारी आदरणीय सम्मति सैनी जी ने उपस्थित जनों का मार्गदर्शन किया ।इस संगोष्ठी में विशेष रूप से पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी गण उपस्थित रहे, बांधवगढ़ पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सावित्री सिंह जी पूर्व मानपुर विधानसभा प्रत्याशी तिलक राज सिंह जी संजीव खंडेलवाल जी प्रीतम पाठक जी अमर बहादुर सिंह जी, जनपद अध्यक्ष मनीष सिंह बडकरे जी, रामकुमार तिवारी जी ,लाल बहादुर सिंह,पूर्व नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती उषा कोल जी ,श्रीमती शिया बाई कोल पूर्व पार्षद,श्रीमती मुन्नी बाई नामदेव पूर्व पार्षद ,मकसूद खान, राम नारायण पांडे जी नारायण शर्मा जी नत्थू लाल पटेल जी बिंदे सिंह जी शिव कुमार दहिया जी महेश दहिया जी बंटी वर्मा जी विकास सोनी जी लक्ष्मण कुशवाहा जी रजनीश तिवारी जी शनू उपाध्याय जी सुनील साहू जी विजय गुप्ता जी एवं सभी मंडलम अध्यक्ष जन उपस्थित रहे जिसमें पाली मंडल अध्यक्ष राम बिहारी उपाध्याय पाली ग्रामीण अध्यक्ष उमेश यादव जी मालियागुड़ा मंडल अध्यक्ष उमेश शुक्ला जी घुनघुटी मंडल अध्यक्ष अरुण सिंह जी छोटू यादव जी नगर पालिका परिषद पूर्व पार्षद कृष्ण कांत (बबलू) अवधिया जी ओंकार तिवारी जी विजय यादव जी बलराम प्रजापति जी रामपाल चक्रवाह जी आमिद खान राजेश कोल राम जी रौतेल ब्लॉक प्रभारी प्रदीप तिवारी जी हेमनाथ बैगा , दीपक सरकार जी गोरे बैग जी दादू प्रजापति जी लक्ष्मण गुप्ता जी सोनू नायक जी सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे

खबर संक्षेप

जानकी मिश्रा को पुष्पराजगढ़ की कमान श्री मिश्रा के अनुभवों का कांग्रेस को मिलेगा लाभ

उमरिया मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के व्दारा बिरसिंहपुर पाली के वरिष्ठ कांग्रेस नेता जानकी प्रसाद मिश्रा को शहडोल संसदीय क्षेत्र के अनूपपुर जिले की पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया गया है, यह नियुक्ति उनके कुशल कार्यशैली और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए की गयी है। श्री मिश्रा कांग्रेस के एक कुशल सिपाही के तौर पर अब तक कार्य करते आ रहें हैं। उनके राजनैतिक जीवन में कितने ही झंझावात आये, लेकिन उन्होंने अपने दायित्वों के साथ कभी भी समझौता नहीं किया। आप युवक कांग्रेस से जुडकर कांग्रेस का सदैव झंडा ऊंचा करते हुए अब तक महती भूमिका का निर्वहन किया है। उनकों कांग्रेस संगठन के व्दारा मिली इस जिम्मेदारी को निभाते हुए कांग्रेस संगठन को नयी ऊंचाइयों तक ले जाने में सफल होंगे।

उप संचालक पशु ने किया औचक निरीक्षण

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देशानुसार शुक्रवार को उपसंचालक पशुपालन डॉ. आर के सोनी ने विकासखंड बहोरीबंद अंतर्गत ग्राम पटीकला-सलैयाकला स्थित सुरभि गौशाला तथा पशु चिकित्सालय बाकल एवं बहोरीबंद का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। गौशाला निरीक्षण के दौरान स्व-सहायता समूह की सचिव श्रीमती बिल्की बाई एवं कर्मचारियों को गौवंश के समुचित प्रबंधन, स्वच्छता, चारा-पानी की उपलब्धता एवं नियमित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही गौशाला संचालन को व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। वहीं पशु चिकित्सालयों के निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों एवं स्टाफ को शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं क्षीरधारा एवं हिरण्यगर्भा अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विशेष कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

जिला स्तरीय कोल समिति की बैठक में हुई चर्चा

कटनी। जिले में औद्योगिक इकाइयों को कोयले की आपूर्ति से जुड़े मामलों पर निर्णय लेने के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कोल समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में जिला व्यापार एवं उद्योग विभाग की महाप्रबंधक ज्योति सिंह चौहान ने समिति को शासन के नियमों एवं निर्देशों से अवगत कराया।

शराबखोरों के अड्डों से पकड़ी गई अवैध मदिरा

मानपुर।

जिले में सुशासन के दावों के बीच फल-फूल रहे अवैध शराब के सिंडिकेट पर आखिरकार प्रशासन का हंटर चला है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के कड़े तेवर के बाद आबकारी विभाग की कुंभकर्णी नींद खुली और वृत्त प्रभारी दिनकर सिंह तिवारी की अगुवाई में मानपुर क्षेत्र में कार्रवाई की गई। टीम ने जब ग्राम पतौर स्थित इंद्रपाल सिंह की नामी किराना दुकान पर छापा मारा, तो वहां का नजारा देखकर अधिकारियों की आंखें फटी की फटी रह गईं। राशन की आड़ में वहां 62 पाव देशी प्लेन, 24 बोतल बीयर और 20 पाव विदेशी व्हिस्की का अवैध जखीरा बरामद हुआ।

इतना ही नहीं, अमरपुर स्थित सीतू ढाबा के संचालक रंजीत कुमार गुप्ता के कब्जे से भी 38 पाव मदिरा और 10 केन बीयर जब्त की गई, जो ढाबे की आड़ में चल रहे जाम छलकाने के खेल को बेनकाब करती है। इसके अलावा ग्राम असोढ़ में हाथ भट्टी से जहरीली शराब उतार रहीं रैना बाई, आशाबाई और कविता वसदेवा को 60 किलो महुआ लाहन के साथ रंगे हाथों दबोचा गया।

आबकारी विभाग ने खानापूर्ति न करते हुए सभी आरोपियों पर आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत 5 कड़े मामले दर्ज किए हैं। कुल 22,400 रुपये की शराब जब्त कर आरक्षक राजपति, कविता और अंजली की टीम ने रसूखदारों को कड़ा संदेश दिया है कि अब किराना और ढाबों की आड़ में मधुशाला चलाने वालों को सीधे जेल भेजा जाएगा।

संयुक्त टीम ने विजयराघवगढ़ के गांवों का किया निरीक्षण

जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जमीनी स्तर पर सेवाओं के क्रियान्वयन की सघन निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. राज सिंह एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास प्रतिभा पांडे के नेतृत्व में टीम ने विकासखंड विजयराघवगढ़ के ग्राम अमेहटा क्रमांक 1 एवं 3, सलैया डगर तथा हरदुआ खुर्द का भ्रमण किया गया। इस दौरान मेडिकल ऑफिसर डॉ. डेनियल और परियोजना अधिकारी श्री संतोष अग्रवाल भी टीम के साथ मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान ग्राम पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस के आयोजन का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने गर्भवती महिलाओं के एएनसी पंजीयन, टीकाकरण, हाई-रिस्क गर्भवती महिलाओं को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता एवं कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पात्र हितग्राहियों के पंजीयन की प्रगति भी जांची गई। निरीक्षण के दौरान जहां आवश्यक पाया गया, वहां सेवाओं में सुधार लाने हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए गए।

देवलोंद में तिवारी तंत्र उजागर: थाना प्रभारी के सबसे खास अभिषेक के पास है रेत का पूरा हिसाब-किताब

ट्रांसफर के बाद भी मलाईदार कुर्सी छोडने को तैयार नहीं

शहडोल।

जिले के देवलोंद थाना क्षेत्र अंतर्गत बुढ़वा सतानी इलाके में सोन घडिय़ाल अभ्यारण्य क्षेत्र के भीतर वन विभाग की टीम पर हुए जानलेवा हमले ने अब एक बेहद गंभीर और प्रशासनिक रूप से बेहद घिनौने गठजोड़ का पर्दाफाश कर दिया है। इस पूरे मामले में जहां रेत माफियाओं के हौसले बुलंद हैं, वहीं स्थानीय देवलोंद थाना पुलिस की भूमिका अब पूरी तरह से सवालों के घेरे में आ चुकी है। क्षेत्र में यह चर्चा अब चरम पर है कि वन अमले पर हुए इस दुस्साहसिक हमले और बेखौफ चल रहे अवैध उत्खनन के पीछे आखिर वो कौन सी महाशक्ति है, जो कानून को अपने बूटों तले रौंद रही है।

प्रभारी के खासमखास के इर्द-गिर्द घूमती कहानी

स्थानीय सूत्रों और गलियारों में तैरती खबरों की मानें तो देवलोंद थाने में अभिषेक इस पूरे मामले की सबसे मजबूत और विवादित कड़ी बनकर उभरे हैं। बताया जा रहा है कि अभिषेक वर्तमान थाना प्रभारी के सबसे खास और परम विश्वसनीय सिपहसालार हैं। चर्चा तो यहां तक है कि थाना प्रभारी का इतना वरदहस्त और अंधविश्वास अभिषेक पर है कि पूरे क्षेत्र में होने वाले वैध-अवैध का सारा लेखा-जोखा और पूरा हिसाब-किताब सिर्फ

और सिर्फ अभिषेक के पास ही रहता है। थाना प्रभारी के बेहद खास होने के कारण अभिषेक की तूती बोलती है और बिना उनकी मर्जी के परिंदा भी पर नहीं मार सकता।

ट्रांसफर के बाद भी कुर्सी से चिपके रहने का क्या है राज?

इस पूरे मामले में सबसे बड़ा और चौंकाने वाला प्रशासनिक झोल यह सामने आया है कि पुलिस कर्मी अभिषेक तिवारी का स्थानांतरण (ट्रांसफर) यहां से अन्यत्र किया जा चुका है। शासकीय आदेश जारी होने के बावजूद अभिषेक तिवारी देवलोंद थाना छोडऩे का नाम नहीं ले रहे हैं। आखिर ऐसा क्या विशेष लगाव या मलाईदार गणित है कि ट्रांसफर का आदेश होने के बाद भी थाना प्रभारी के यह सबसे खास पुलिस कर्मी इसी थाने की सरहद में जमे हुए हैं? क्या थाना प्रभारी खुद अपने इस सबसे खास नुमाइंदे को छोडऩा नहीं चाहते, क्योंकि पूरा हिसाब-किताब और रेत के खेल की हर एक बारीक एंट्री अभिषेक तिवारी के ही दिमाग और डायरी में महफूज है? ट्रांसफर के बाद भी महकमे से न हटना सीधे तौर पर वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना और थाना प्रभारी की शह को प्रमाणित करता है।

खुफिया तंत्र और सीआईडी का महा-फेलियर

यह पूरा मामला अब प्रशासनिक स्तर पर एक बड़े नासूर के रूप में तब्दील हो चुका है। जानकारों का साफ कहना है कि सोन घडिय़ाल अभ्यारण्य जैसे अति-संवेदनशील, प्रतिबंधित और जलीय जीवों के लिए आरक्षित क्षेत्र में इतने बड़े पैमाने पर पोकलेन और ट्रैक्टरों से संगठित रूप से रेत का सीना चीरा जा रहा था, तो इसकी पल-पल की जानकारी पुलिस के मुख्य खुफिया तंत्र और सीआईडी तक होनी चाहिए थी। यदि इतनी बड़ी आपराधिक गतिविधि, करोड़ों का लेन-देन और अंततः एक सरकारी टीम पर बेखौफ हमले की भनक पुलिस के शीर्ष खुफिया तंत्र को नहीं थी, तो यह विभाग की अक्षमता और घोर विफलता (फेलियर) है। यह घटना गवाही दे रही है कि पुलिस का लोकल इंटेलिजेंस एक बार फिर पूरी तरह फेल साबित हुआ है। जब विभाग अपने ही प्रशासनिक साथियों (वन विभाग) की सुरक्षा को लेकर इतना लापरवाह, सुस्त और अनजान बना बैठा है, तो आम जनता की सुरक्षा की उम्मीद करना ही बेमानी है।

खास के संरक्षण में रेत का काला साम्राज्य

जब खाकी के साए में खौफजदा सोन घडिय़ाल की टीम माफियाओं के हमले से अपनी जान बचाकर शिकायत दर्ज कराने देवलोंद थाना पहुंची, तो वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने न्याय की उम्मीद लेकर आए सरकारी अमले की शिकायत लेने से ही साफ इंकार कर दिया। वन अमले पर हमला होने के बाद भी प्राथमिकी दर्ज न करना यह साबित करता है कि थाना प्रभारी के खास अभिषेक तिवारी के इस तथाकथित हिसाब-किताब के जाल में पूरी व्यवस्था जकड़ी हुई है। क्षेत्र में यह चर्चा अब आम हो चुकी है कि स्थानीय पुलिस और खासकर थाना प्रभारी के सबसे खास पुलिस कर्मी के वरदहस्त के बिना रेत माफियाओं में इतना दुस्साहस आ ही नहीं सकता कि वे सीधे सरकारी अमले पर लाठी-डंडे और हथियार तान दें। वन अमले में इस वक्त गहरे खौफ और दहशत का माहौल है। अगर वर्दी ही अपराधियों की ढाल बन जाएगी और ट्रांसफर के बाद भी मलाईदार थानों में जमे खास कारिंदे पूरी व्यवस्था को संचालित करेंगे, तो कानून-व्यवस्था का जनाजा निकलना तय है।

प्रदेश के 6 संभागों के प्रतियोगियों के मध्य हुई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

सागर की टीम ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन, पुरस्कार से किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

विश्व पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन के क्षेत्र में सतत कार्य कर रही युवा संस्था "विज्ञन" एवं सामान्य वन मंडल कटनी द्वारा एक भव्य एवं ऐतिहासिक समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन ने न केवल युवाओं में पर्यावरण चेतना का संचार किया, बल्कि पूरे प्रदेश में जागरूकता का नया संदेश भी स्थापित किया।कार्यक्रम का शुभारंभ आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार, वनमंडलाधिकारी गर्वित गंगवार, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप मिश्रा, एडीपीसी श्रीमती धनश्री जैन, एमपी दिव्यांग क्रिकेट टीम की कप्तान श्रीमती राधा बड़गुजर तथा पर्यावरणविद् निर्भय सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश के चयनित 6 प्रमुख संभागों — भोपाल, उज्जैन, जबलपुर, सागर, शहडोल एवं रीवा — के प्रतिभागियों के मध्य अंतर-जिला जैव विविधता एवं पर्यावरण जागरूकता प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। कटनी के इतिहास में पहली बार इतने बड़े स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों से आए युवाओं ने पर्यावरण, जैव विविधता, वन्यजीव संरक्षण एवं सतत विकास से जुड़े प्रश्नों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।समारोह में सैकड़ों युवाओं, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं पर्यावरण प्रेमियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली।

आयोजन के अंतर्गत आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, पर्यावरण एवं जैव विविधता प्रदर्शनी, निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, जागरूकता गतिविधियाँ एवं विशेषज्ञों के प्रेरणादायी मार्गदर्शन ने पूरे कार्यक्रम को एक महोत्सव का स्वरूप प्रदान किया। विशेष बात यह रही कि पूरा कार्यक्रम "जीरो वेस्ट" अवधारणा पर आधारित रहा तथा किसी भी प्रकार की सिंगल यूज़ सामग्री का उपयोग नहीं किया गया।

नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए टीम सागर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि टीम भोपाल द्वितीय स्थान पर रही। विजेता प्रतिभागियों को कैश प्राइज, स्मृति चिन्ह, प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में गीतांजलि संगीत महाविद्यालय द्वारा जल संरक्षण पर आधारित मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी गई, वहीं श्री कृष्ण कला संगीत महाविद्यालय ने "धरती मैया रोवे लाला" गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों को भाव-विभोर कर दिया।

अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि भविष्य की अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। ऐसे में विज्ञन की सक्रिय भागीदारी एवं पहल समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का महत्वपूर्ण माध्यम सिद्ध हो रही है।विज्ञन अध्यक्ष आशुतोष माणके ने बताया कि संस्था पिछले चार वर्षों से वृक्षारोपण, जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरण शिक्षा, जल संरक्षण एवं जनजागरूकता जैसे विषयों पर सतत कार्य कर रही है तथा आगामी वर्षों में और व्यापक स्तर पर अभियान चलाए जाएंगे।

शहडोल के सूरमाओं का नर्मदा खो-खो लीग में डंका

ट्रायल में अनूपपुर-उमरिया को पछाडक़र 12 खिलाडियों ने मारी बाजी

शहडोल। शहडोल के माटी के लालों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा दिया है। बुढ़ार के कुशाभाऊ खेल मैदान में संपन्न हुए मध्य प्रदेश नर्मदा खो-खो लीग सीजन-2 के हाई-वोल्टेज चयन ट्रायल में शहडोल संभाग के तीनों जिलों (शहडोल, उमरिया और अनूपपुर) के खिलाडियों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी, लेकिन, शहडोल के जांबाजों के आक्रामक खेल के आगे विरोधी चित हो गए। मैदान पर पसीना बहाते हुए शहडोल जिले के 11 बालक और 1 बालिका खिलाड़ी ने इस प्रतिष्ठित प्रदेश स्तरीय लीग में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस धमाकेदार सफलता के बाद पूरे जिले में गौरव और जश्न का माहौल है। मैदान पर अपनी रफ्तार, अनुशासन और चीते जैसी फुर्ती से सिलेक्टर्स को प्रभावित करने वाले जांबाजों में अभिनय, सावन, शिवा, आर्यन, उदय, सत्यम, शिवम, अभिमन्यु, अनुराग, प्रभात और आकाश

शामिल हैं, जबकि बालिका वर्ग से अकेली शेरनी अंजू चौधरी ने विरोधी टीमों के डिफेंस को तहस-नहस करते हुए लीग का टिकट कटाया है। खिलाडियों की यह उपलब्धि इसलिए भी बड़ी है क्योंकि उन्होंने बिना किसी वीआईपी सुविधाओं के, केवल अपने कठिन परिश्रम और समर्पण के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। इस चयन महाकुंभ को सफलतापूर्वक निपटाने में जिला खो-खो संघ शहडोल के सचिव मोहम्मद इमरान और कोषाध्यक्ष एकता मैडम की रणनीतिक भूमिका रही। वहीं, चयन प्रक्रिया की सुचिता और पारदर्शिता को परखने के लिए मध्य प्रदेश एमेच्योर खो-खो संघ के सह सचिव जीतू तिवारी, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी चंद्रशेखर स्वामी और अंतरराष्ट्रीय रेफरी आफरीन शेख जैसी भारी-भरकम तिकड़ी खुद मैदान पर मौजूद रही। संघ के पदाधिकारियों ने चयनित रणबाकुरों को बधाई देते हुए साफ कहा कि यह तो सिर्फ शुरुआत है, शहडोल की शान बनकर निकले ये खिलाड़ी अब प्रदेश स्तर पर अपनी धाक जमाएंगे। सचिव ने दोटूक शब्दों में विरोधियों को चेतावनी देते हुए कहा कि आगामी टूर्नामेंट के लिए खिलाडियों का अभ्यास और आक्रामक खेल रणनीति तैयार है, अब शहडोल के खो-खो को राष्ट्रीय क्षितिज पर चमकने से कोई ताकत नहीं रोक सकती।

नाबालिग युवती की संदिग्ध मौत और चश्मदीद गवाह की मौत पर भाजपा ने उठाए सवाल?

बिजुरी हत्याकांड में पुलिस महानिरीक्षक ने एसआईटी का किया गठन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहडोल होंगे पर्यवेक्षण अधिकारी

बिजुरी थाना क्षेत्र में नाबालिग युवती की संदिग्ध मौत एवं घटना के चश्मदीद गवाह की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने गंभीर चिंता व्यक्त की है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार तथा पुलिस अधीक्षक अनूपपुर को पत्र सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि बिजुरी निवासी नाबालिग युवती की 20 मई को गंभीर रूप से घायल अवस्था में शासकीय चिकित्सालय बिजुरी में मृत्यु हो गई थी। मृतका के परिजनों एवं स्थानीय लोगों ने इस घटना को सामूहिक दुष्कर्म एवं हत्या का मामला बताया है। भाजपा नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि घटना का प्रत्यक्षदर्शी गवाह की 23 मई को बोरिडांड रेलवे स्टेशन के पास मृत अवस्था में मिला, जिससे क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है। पत्र में कहा गया है कि स्थानीय जन समुदाय एवं परिजनों को इस मौत में भी हत्या की आशंका है। भाजपा ने पुलिस की प्रारंभिक जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मामले को सामान्य घटना बताकर लीपापोती करने का प्रयास किया जा रहा है। पार्टी ने कहा कि कुछ दिनों पूर्व भी नगर में इसी प्रकार की घटना हो चुकी है, जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और आम जनता में भय का वातावरण बना हुआ है। भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने मांग की है कि बिजुरी थाना प्रभारी को तत्काल निलंबित कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आम जनता का कानून व्यवस्था और पुलिस प्रशासन पर विश्वास बना रहे।

पुलिस महानिरीक्षक ने किया एसआईटी का गठन

मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के बिजुरी थाना क्षेत्र में नाबालिग युवती की संदिग्ध मौत एवं घटना के चश्मदीद गवाह की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद रविवार को पुलिस महानिरीक्षक शहडोल एन चौत्रा ने एसआईटी का गठन किया है। जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहडोल को पर्यवेक्षण अधिकारी बनाते हुए तीन सदस्य अनूपपुर जिले के पुलिस अधिकारियों को बनाया हैं जो जांच में सहयोग करेंगे। पुलिस महानिरीक्षक ने थाना बिजुरी के अपराध की धारा 296 बी, 115(2), 74, 75(2), 76, 309 (6),3(5) बीएनएस एवं प्रकरण के फरियादी मृतक 17 वर्षीय अमन यादव पुत्र सुनील यादव निवासी बरली जिला जमुनिया बिहार हाल निवासी उर्जा नगर बिजुरी की मृत्यु से जुड़े संपूर्ण घटनाक्रम का अनुसंधान कर न्यायालय में अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु विशेष अन्वेषण टीम का गठन किया हैं। इसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला शहडोल अभिषेक दीवान पर्यवेक्षण अधिकारी होगे। वहीं सदस्य रत्नाम्बर शुक्ला निरीक्षक थाना कोतमा, उमेश उपाध्याय निरीक्षक थाना भालूमाड़ा एवं सरिता लकड़ा उप निरीक्षक थाना कोतवाली को बनाया गया हैं। टीम के सभी सदस्य तत्काल प्रभाव से उक्त प्रकरण की विवेचना हेतु संलग्न होगे। समय-समय पर प्रकरण की वर्तमान स्थिति से अन्वेषण पर्यवेक्षण अभिषेक दीवान अति० पुलिस अधीक्षक शहडोल करेगे अवगत करायेगें।

खबर संक्षेप

मां नर्मदा से मिलने अमरकंटक आती हैं मां गंगा, स्नान, दान और साधना का महापर्व

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। भारतीय सनातन परंपरा में व्रत, पर्व और उत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, लोक कल्याण और प्रकृति के प्रति श्रद्धा के प्रतीक माने गए हैं। इन्हीं पावन पर्वों में एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण पर्व है गंगा दशहरा, जिसे धर्मग्रंथों में पुण्य, पापक्षालन और आध्यात्मिक उन्नति का महापर्व कहा गया है। इस वर्ष गंगा दशहरा विशेष संयोग के साथ ज्येष्ठ अधिक मास में पड़ रहा है, जिससे इसकी आध्यात्मिक महत्ता और अधिक बढ़ जाती है। ज्योतिषाचार्य पंडित संदीप ज्योतिषी के अनुसार शास्त्रों में वर्णित है कि ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि, हस्त नक्षत्र तथा शुभ कालखंड में मां गंगा का पृथ्वी लोक में अवतरण हुआ था। इसी कारण यह तिथि गंगा दशहरा के रूप में विख्यात हुई। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन किए गए स्नान, दान, जप, तप और उपासना से जीवन के विविध दोषों और पापों का क्षय होता है तथा शुभ फलों की प्राप्ति होती है। शास्त्रीय मान्यता के अनुसार गंगा दशहरा पर दस विशेष शुभ योगों का संयोग बनने पर इसका पुण्य अनेक गुना बढ़ जाता है। इन योगों को दस प्रकार के पापों का नाश करने वाला माना गया है। धार्मिक परंपरा में कहा गया है कि यह पर्व मनुष्य के तीन प्रकार के कायिक, चार प्रकार के वाचिक और तीन प्रकार के मानसिक पापों के शमन का माध्यम बनता है। गंगा दशहरा पर दशविधि स्नान का विशेष महत्व बताया गया है। इसमें दूध, दही, भस्म, मृतिका, गोमूत्र, सर्वौषधि, कुशोदक, गाय का घी, स्वर्ण स्पर्शित जल एवं पवित्र जल से स्नान का विधान वर्णित है। मान्यता है कि श्रद्धा और नियमपूर्वक किया गया यह स्नान शरीर और आत्मा दोनों को पवित्र करता है। ज्योतिषाचार्य पंडित संदीप ज्योतिषी के अनुसार इस दिन गंगा, नर्मदा सहित पवित्र नदियों में स्नान कर वस्त्र दान, जप, तप, उपवास और ईश्वर आराधना करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है। स्नान के उपरांत शिवलिंग पर गंध, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य एवं फल अर्पित कर पूजन तथा रात्रि जागरण करने का भी विशेष महत्व बताया गया है। पवित्र नगरी अमरकंटक से जुड़ी एक प्राचीन धार्मिक मान्यता यह भी है कि गंगा दशहरा के पावन अवसर पर मां गंगा, मां नर्मदा से मिलने अमरकंटक आती हैं। श्रद्धालु इस दिवस को नदियों के दिव्य मिलन, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा के उत्सव के रूप में देखते हैं। इसी कारण अमरकंटक क्षेत्र में गंगा दशहरा का पर्व विशेष श्रद्धा, पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मनाया जाता है। यह पर्व केवल जल की पूजा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में नदियों के प्रति सम्मान, संरक्षण और आध्यात्मिक चेतना का संदेश भी देता है।

एक ही थाने में वर्षों से जमे पुलिस कर्मियों पर डीजीपी सख्त

अनूपपुर। मध्य प्रदेश पुलिस विभाग में लंबे समय से एक ही थाने एवं शाखाओं में पदस्थ कर्मचारियों को लेकर अब पुलिस मुख्यालय सख्त नजर आ रहा है। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशों के बाद पूरे प्रदेश में ऐसे पुलिस कर्मचारियों की सूची तैयार किए जाने की चर्चा तेज हो गई है, जो वर्षों से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं। डीजीपी द्वारा दिए गए निर्देशों का मुख्य उद्देश्य पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही को मजबूत करना बताया जा रहा है। माना जा रहा है कि लंबे समय तक एक ही थाने में पदस्थ रहने से कार्यप्रणाली प्रभावित होती है तथा आमजन में भी निष्पक्ष कार्रवाई को लेकर सवाल खड़े होने लगते हैं। ऐसे में पुलिस मुख्यालय का यह कदम व्यवस्था सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि अनूपपुर जिले में यह आदेश कितना प्रभावी साबित होगा, इसको लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। जिले में पूर्व में भी कई बार तबादलों और प्रशासनिक फेरबदल को लेकर आदेश जारी हुए लेकिन उनका पूर्ण रूप से पालन नहीं हो सका। ऐसे में

जल गंगा संवर्धन योजना के कार्य का भुगतान लंबित

आदिवासी श्रमिकों एवं वाहन मालिकों ने कलेक्टर से लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जल गंगा संवर्धन योजना अंतर्गत रजहा सरोवर में कराए गए गहरीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्य का एक वर्ष पूर्ण होने के बाद भी मजदूरी एवं वाहन भुगतान नहीं होने से आदिवासी श्रमिकों, अन्य पिछड़ा वर्ग के वाहन चालकों, जेसीबी एवं ट्रैक्टर मालिकों तथा रजहा धाम समिति में भारी नाराजगी व्याप्त है। मामले को लेकर संबंधित लोगों ने कलेक्टर हर्षल पंचोली से शीघ्र भुगतान कराए जाने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रजहा धाम परिसर में बिसाहू लाल सिंह (पूर्व खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एवं वर्तमान विधायक, विधानसभा अनूपपुर) के पत्र क्रमांक 956 एवं 957 दिनांक 02 अप्रैल 2025 के आधार पर संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, मध्यप्रदेश भोपाल के पत्र दिनांक 04 जुलाई 2025 के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रजहा तालाब अनूपपुर का गहरीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्य कराया गया था। बताया गया कि योजना अंतर्गत कार्य 09 अप्रैल 2025 से प्रारंभ होकर 10 जून 2025 तक लगातार संचालित किया गया। इस कार्य में बड़ी संख्या में आदिवासी श्रमिकों ने श्रमदान एवं मजदूरी के माध्यम से योगदान दिया, वहीं जेसीबी एवं ट्रैक्टर मालिकों ने भी अपने वाहन उपलब्ध कराए। लेकिन कार्य पूर्ण होने के बावजूद अब तक केवल लगभग 81 हजार रुपये का ही भुगतान किया गया है, जबकि अधिकांश मजदूरी एवं वाहन भुगतान अभी भी लंबित है। भुगतान की मांग को लेकर समिति सदस्यों एवं श्रमिकों द्वारा विधायक की अनुशंसा सहित दिनांक 20 जनवरी 2026 को कलेक्टर कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया था। इसके बाद भी लगभग तीन माह तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने पर पुनः 07 अप्रैल 2026 को पत्र के माध्यम से प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया। बावजूद इसके अब तक भुगतान नहीं हो पाने से संबंधित श्रमिकों एवं वाहन संचालकों में गहरा असंतोष देखा जा रहा है। रजहा धाम समिति एवं प्रभावित लोगों का कहना है कि आदिवासी बाहुल्य वार्ड के गरीब श्रमिक लंबे समय से अपने मेहनताना की प्रतीक्षा कर रहे हैं। भुगतान में लगातार हो रही देरी के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर लंबित राशि का भुगतान कराने की मांग की है।

बैरिहा में हाथी द्वारा तोड़े गए हैंडपंप के हैंडिल का वन्य जीव संरक्षक ने कराया मरम्मत

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। 17 मई की रात एक खतरनाक, उत्पाती हाथी जो कई दिनों से अनूपपुर जिले की सीमा में विचरण करते हुए पड़ोस के शहडोल जिले के अमलाई थाना एवं वन परिक्षेत्र केशवाही अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया के वार्ड क्रमांक 12 बैरिहा गांव में जंगल के किनारे वर्षों से बसे विनोद सिंह बरगाही के घर के पास लोक स्वास्थ्य यांतिकी विभाग बुढार के द्वारा 15 वर्ष पूर्व स्थापित किये गये सफल हैंडपंप के राड को हाथी ने सूढ़ से मोडकर खराब कर दिया था कि सूचना श्री बरगाही ने जिला मुख्यालय अनूपपुर के वन्यजीव संरक्षक एवं सामाजिक कार्यकर्ता शशिधर अग्रवाल को दे कर विभाग से सुधार कार्य कराये जाने का आग्रह किये जाने पर सामाजिक कार्यकर्ता जो लोग स्वास्थ्य यांत्रिकी सेवा अनूपपुर में हैंडपंप टेक्नीशियन हीरालाल कोल एवं लल्लू लाल कोल के साथ शनिवार की शाम स्थल पर पहुंचकर हैंडपंप के क्षतिग्रस्त हैंडल को निकाल कर नया हैंडल लगाकर हैंडपंप का सुधार किया गया। बैरिहा निवासी विनोद सिंह बरगाही ने बताया कि यह हैंडपंप जो जंगल के किनारे लगा हुआ है मेरे परिवार के साथ मोहल्ले के अन्य भी विगत पद्रह वर्षों से उपयोग करते हैं लेकिन बिगड़ैल, खतरनाक हाथी द्वारा 17 मई की रात हैंडपंप के पानी का मेरे मेरे परिवार के साथ मोहल्ला बासी उपयोग करते हैं कई दिनों से हाथी के डर से पच्चीस की संख्या में मेरे ही पक्के घर के छत में अंधेरा होने के पूर्व आकर ठहरते हैं सभी ने हाथी द्वारा इस हैंडपंप को सूढ़ से पानी खींचने जैसे ऊपर नीचे करते हैंडल को मोड़ते देखा रहा यह हाथी दिन में रामपुर बीट के बैरिहा एवं बेलिया के जंगल मे दिन के समय ठहर कर अंधेरा होते ही जंगल पहाड से ऊपर कर मेरे यहां आंगन में आकर आंगन में लगे कटहल, आम के पेड़ों की ढगालियो को तोड़कर, हैंडपंप के साथ मवेशियों को खिलाने के लिये रखे चारा काटने वाली मशीन, शौचालय का दरवाजा को तोड़ दिया रहा कई दिनों तक निरंतर हाथी इस मोहल्ले के निवासी रामसजीवन कोल, संपत कोल एवं बृजेश उर्फ सोनू यादव के घरों में पहुंचकर घर को पूरी तरह तोड़फोड़ कर नष्ट करते हुए घर में रखे विभिन्न तरह के अनाजों को अपना आहार बनाया रहा है।

भारतनेट के माध्यम से ग्रामीण भारत में डिजिटल क्रांति ला रहा है बीएसएनएल

अनुपपुर/राजनगर। बीएसएनएल भारत की अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनियों में से एक है। जो मोबाइल, ब्रॉडबैंड, एफटीटीएच, एंटरप्राइज एवं डिजिटल कनेक्टिविटी सेवाएँ प्रदान करती है। इस सम्बन्ध मिथिलेश कुमार, मुख्य महाप्रबंधक, मध्यप्रदेश परिमंडल ने बताया कि "भारतनेट उद्यमी ग्रामीण डिजिटल कनेक्टिविटी की रीढ़ साबित होंगे। इस पहल के माध्यम से बीएसएनएल न केवल इंटरनेट सेवाओं का विस्तार कर रहा है, बल्कि स्थानीय उद्यमिता एवं रोजगार को भी बढ़ावा दे रहा है। आगे उन्होंने बताया कि बीएसएनएल वर्तमान में 16 राज्यों में भारतनेट परियोजना का संचालन एवं रखरखाव कर रहा है। अब तक लगभग 6.94 लाख किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर बिछाई जा चुकी है, तथा 2.18 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा जा चुका है। ग्रामीण भारत में 13 लाख से अधिक एफटीटीएच कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। बीएसएनएल द्वारा "भारतनेट उद्यमी" मॉडल को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्तमान में 7,700 से अधिक भारतनेट उद्यमी बीएसएनएल के साथ कार्य कर रहे हैं। जो ग्रामीण युवाओं एवं उद्यमियों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। बीएसएनएल लगातार ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक डिजिटल सेवाओं का विस्तार करने के लिए कार्यरत है। इस सिलसिले में बीएसएनएल ने भारतनेट परियोजना के अंतर्गत ग्रामीण भारत में डिजिटल कनेक्टिविटी को सुलभ बनाने के लिए स्थानीय उद्यमियों, केबल ऑपरेटरों, स्टार्टअप्स, स्वयं सहायता समूह, तकनीकी रूप से सक्षम युवा, ग्राम पंचायत अथवा फर्म बहुत कम निवेश पर ऑनलाइन माध्यम से भारतनेट उद्यमी बना रहा है। बीएसएनएल द्वारा भारतनेट उद्यमियों को तकनीकी प्रशिक्षण, राजस्व साझेदारी मॉडल एवं विभिन्न प्रोत्साहन सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। भारतनेट उद्यमी योजना का उद्देश्य देश के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक उच्च गति ब्रॉडबैंड सेवाएं पहुँचाकर डिजिटल इंडिया मिशन को मजबूत करना है। इस पहल के माध्यम से बीएसएनएल स्थानीय साझेदारों के सहयोग से स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों, पंचायत कार्यालयों, कृषि संस्थानों तथा अन्य सरकारी संस्थाओं को भी हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड सेवाओं से जोड़ा जा रहा है। बीएसएनएल के आधुनिक एवं नवीनतम तकनीक पर आधारित एफटीटीएच एवं भारतनेट नेटवर्क का लाभ उठाते हुए। भारतनेट उद्यमी कार्यक्रम से जुड़कर अपना ब्रॉडबैंड एवं डिजिटल सेवा व्यवसाय शुरू करने से न सिर्फ नियमित मासिक आय अर्जित कर सकते हैं।

आखिरकार मौत का हाथी हुआ कैद: चार जिलों में दहशत मचाने वाले बिगड़ैल गजराज पर जंगल विभाग की सबसे बड़ी घेराबंदी

चार इंसानों और आठ मवेशियों की जान लेने वाला, गांवों में तबाही मचाने वाला और रात होते ही मौत बनकर खेत-खलिहानों में उतरने वाला उत्पाती हाथी आखिरकार शिकंजे में आ गया है। अनूपपुर, शहडोल और छत्तीसगढ़ की सीमा पर पिछले डेढ़ महीने से दहशत का पर्याय बने इस बिगड़ैल गजराज को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की 60 सदस्यीय टीम ने चार दिन की जानलेवा मशक्कत के बाद काबू किया है। लेकिन सवाल अब भी जिंदा है कि क्या यह सिर्फ एक हाथी का आतंक था या जंगल प्रबंधन की नाकामी का जीवंत सबूत?

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जंगल जब उजड़ते हैं तो सिर्फ पेड़ नहीं कटते, इंसानों की नींद और गांवों की शांति भी उजड़ जाती है। अनूपपुर और शहडोल की सीमा पर बीते डेढ़ महीने से यही भयावह तस्वीर दिखाई दी है, जहां एक बिगड़ैल हाथी ने पूरे इलाके को मानो बंधक बना लिया था। खेत रौंदे गए, घर तोड़े गए, मवेशी कुचले गए और इंसानी जिंदगियां मौत के मुंह में समा गईं। प्रशासन की सुस्ती और वन विभाग की लाचार रणनीति पर जनता लगातार सवाल उठा रही थी। आखिर मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का रेस्क्यू दस्ता मैदान में उतरा और चार दिनों तक जंगल में मौत और दहशत के बीच ऑपरेशन चलाया गया है। हैरानी की बात यह रही कि बेहोश किए जाने के बाद भी हाथी ने पिंजरा तोड़कर एक बार फिर जंगल में अफरा-तफरी मचा दी। यह घटना सिर्फ एक जंगली जानवर की कहानी नहीं, बल्कि उस जंगल व्यवस्था का आईना है जो इंसान और वन्यजीव दोनों को असुरक्षित बना चुकी है।

मौत बनकर गांवों में घूम रहा था गजराज

यह कोई सामान्य वन्यजीव विचरण नहीं था, बल्कि गांवों पर टूटता हुआ आतंक था। 2 अप्रैल की रात छत्तीसगढ़ के मरवाही वन मंडल से सीमा पार कर मध्यप्रदेश में घुसे इस हाथी ने जहां कदम रखा, वहां तबाही का निशान छोड़ गया। अनूपपुर के जैतहरी से लेकर शहडोल के रामपुर जंगल तक ग्रामीण रात-रात भर जागकर पहरा देने को मजबूर रहे। चार लोगों की दर्दनाक मौत और आठ मवेशियों का कुचला जाना प्रशासनिक दावों की पोल खोलने के लिए काफी है। ग्रामीणों का आरोप है कि शुरुआती दिनों में वन विभाग ने खतरे को गंभीरता से नहीं लिया था।

चार दिन चला जंगल का 'ऑपरेशन दहशत'

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की 60 सदस्यीय टीम और चार प्रशिक्षित हाथियों के साथ शुरू हुआ यह रेस्क्यू ऑपरेशन किसी फिल्मी युद्ध से कम नहीं था। जंगल में हाथी कैंप बनाकर लगातार निगरानी की गई। शुक्रवार को जब टीम ने आखिरकार हाथी को बेहोश कर पिंजरे में बंद किया, तब लगा कि आतंक खत्म हो गया। लेकिन अचानक हाथी ने जंजीरें और पिंजरा तोड़ दिया और एक किलोमीटर तक जंगल में भाग निकला। इस घटना ने रेस्क्यू टीम के भी पसीने छुड़ा दिए। आखिर शनिवार सुबह फिर से घेराबंदी कर हाथी को नियंत्रित किया गया है।

जनता के गुस्से ने हिलाया प्रशासन

अगर ग्रामीणों का दबाव और जनप्रतिनिधियों का शोर न उठता, तो शायद यह ऑपरेशन इतनी जल्दी शुरू भी नहीं होता। लगातार मौतों और नुकसान के बाद गांवों में प्रशासन के खिलाफ जबरदस्त नाराजगी थी। लोग सवाल पूछ रहे कि आखिर वन विभाग कब तक सिर्फ चेतावनी जारी करता रहेगा? मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हस्तक्षेप के बाद ही पूरा सरकारी तंत्र हरकत में आया। यह घटना साफ संकेत देती है कि कई बार प्रशासन जनता की चीख सुनने से पहले राजनीतिक दबाव का इंतजार करता है। जंगल के किनारे बसे गांवों की सुरक्षा आखिर किसकी जिम्मेदारी है?

जंगल सिकुड़े, तो हाथी गांवों में उतरे

विशेषज्ञ लगातार चेतावनी देते रहे हैं कि हाथियों का असामान्य व्यवहार प्राकृतिक आवासों के सिकुड़ने का नतीजा है। जंगलों में बढ़ती कटाई, खनन और मानवीय दखल ने वन्यजीवों को भटकने पर मजबूर कर दिया है। यही वजह है कि अब हाथी सिर्फ जंगलों तक सीमित नहीं रह गए, बल्कि खेतों और बस्तियों तक पहुंच रहे हैं। अनूपपुर और शहडोल की यह त्रासदी भी उसी बिगड़ती पारिस्थिति का परिणाम है। सवाल यह नहीं कि हाथी हिंसक क्यों हुआ, सवाल यह है कि इंसानी लालच ने जंगलों को कितना असुरक्षित बना दिया कि वन्यजीवों का स्वभाव ही बदलने लगा है।

एक गया, लेकिन चार और हाथी अभी भी सीमा पर

जिस हाथी को पकड़कर बांधवगढ़ भेजा गया, उसके बाद भी खतरा टला नहीं है। चार अन्य हाथियों का दल अब भी छत्तीसगढ़ के मरवाही वन क्षेत्र में विचरण कर रहा है। घुसरिया, मजीत टोला, पटेल टोला और सोननदी के आसपास इनकी मौजूदगी ने ग्रामीणों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। दिन में पहाड़ों के जंगलों में छिपना और रात में गांवों की तरफ उतरना, आने वाले दिनों में नए संकट का संकेत है। वन विभाग फिलहाल निगरानी की बात कर रहा है, लेकिन ग्रामीण पूछ रहे हैं कि क्या फिर किसी मौत का इंतजार किया जाएगा? रामपुर जंगल का यह रेस्क्यू ऑपरेशन भले सफल घोषित कर दिया गया हो, लेकिन इस पूरी घटना ने वन प्रबंधन, प्रशासनिक तैयारी और मानव-वन्यजीव संघर्ष की भयावह सच्चाई उजागर कर दी है। हाथी पिंजरे में जरूर कैद हो गया, मगर जंगलों में पल रही अव्यवस्था और सरकारी लापरवाही अब भी खुली घूम रही है।